नई दिल्ली। मंगलवार • 26 नवम्बर • 2024
राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com

साहित्य अकादमी में सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और तजाकिस्तान के लेखक, पत्रकार विद्वान और कलाकारों से दिल्ली के विभिन्न भारतीय भाषाओं के लेखकों और विद्वानों ने बातचीत की। फोटो: एसएनबी

उज्बेकिस्तान-भारत के लेखकों व कलाकारों में संवाद

अनुवाद से आगे बढ़ाई जा सकती है विरासत

- साहित्य अकादमी की ओर से आयोजित किया गया सांस्कृति आदान-प्रदान कार्यक्रम
- अतिथियों ने सांस्कृतिक आदान प्रदान की संभावनाओं पर विचार व्यक्त किए और भारतीय और उज्बेकिस्तान की संस्कृतियों की समानता पर अपनी बात रखी।

नई दिल्ली (एसएनबी)। साहित्य अकादमी में सोमवार को 'सांस्कृतिक आदान-प्रदान' कार्यक्रम के अंतर्गत उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और तजाकिस्तान से आये लेखक, पत्रकार विद्वान और कलाकारों की दिल्ली के विभिन्न भारतीय भाषाओं के लेखकों और विद्वानों से मुलाकात करायी गयी।

अकादमी परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में नौ विदेशी लेखकों और दस भारतीय लेखकों ने शिरकत की। अकादमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने सभी को अंगवस्त्रम भेंट किए। उन्होंने कहा कि इस तरह के समागम से विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक एकता की बुनियाद और मजबूत होती है। उन्होंने पहले भी उज्बेकिस्तान के साथ हुए इस तरह के आदान-प्रदान का उल्लेख करते हुए बताया कि दोनों देशों के बीच लोक साहित्य की एक साझी समृद्ध परंपरा है। आपसी अनुवाद से इस विरासत को और आगे बढ़ाया जा सकता है। अकादमी ने ऐसी पुस्तकें प्रकाशित भी की हैं।

स्वागत के बाद सभी आमंत्रित अतिथियों ने सांस्कृतिक आदान प्रदान की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए तथा भारतीय और उज्बेकिस्तान की संस्कृतियों की समानता पर अपनी बात रखी। उन्होंने बताया कि अभी वहां के लेखक अपने देश और उसकी सांस्कृतिक विरासत की पहचान को दूसरे लोगों तक पहुंचाने के प्रयास में जुटे हैं। कुछ लेखकों ने अपनी कविताएं भी सुनाईं।

उज्बेकिस्तान से पधारे दल में असरोर आलायारोव, नीलोफर यूरिनोवा, सलीमखान मिर्जेवा, गौहर मात्यकुबोवा, रिसोलत स्पैवा, शाखोल नारलियेवा, कहमीदुल्ला ताजियव, उलुग्बेक मकसूदोव और उत्कीर अलीमोव शामिल रहे। समारोह में भारतीय लेखक गौरी शंकर रैना (कश्मीरी), अभय के (अंग्रेजी), एमके रैना (कश्मीरी), रवेल सिंह (पंजाबी), अनामिका (हिंदी), देवेंद्र चौबे (हिंदी), मोहन हिमथाणी (सिंधी), सुकृता पाल कुमार (अंग्रेजी) आदि शामिल थे।